जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र/जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, उत्तरकाशी।

मासिक आख्या–नवम्बर, 2018

संख्या– 634–I/तेरह–आ.प्र./मासिक आख्या **दिनांक 22 नवम्बर 2018**

दिनांक 03.11.2018 को गंगोत्री एंव यमुनोत्री धाम में बर्फवारी होने के कारण ठंड बढने से जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा नगर पंचायत, गंगोत्री से समन्वय कर यात्रियों हेतु अलाव एंव कम्बल वितरण आदि की व्यवस्था की गयी एवं बर्फवारी के कारण गंगोत्री में विद्युत व्यवस्था को सुचारु करने हेतु विभाग से समन्वय कर आवश्यक कार्यवाही की गयी।

दिनांक 04.11.2018 प्रातः 7:45 बजे को यमुनोत्री राष्ट्रीय डाबरकोट के पास अवरुद्व हुआ । जनपद आपाकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा अधिशासी अभियन्ता, यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग, लो0नि0वि0 बडकोट से समन्वय कर मार्ग को प्रातः 8:43 बजे सुचारु किया गया। उक्त अवधि में यातायात को पुलिस की सहायता से सुरक्षित स्थानो पर रूकवाया गया।

दिनांक 07.11.2018 को तहसील पुरोला के कुमोला मार्ग पर रुई की दुकान पर आग लगने कर सूचना प्राप्त होते ही जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा फायर सर्विस, पुलिस, राजस्व से समन्वय कर उक्त की टीम को घटना स्थल के लिए रवाना किया गया। शीघ्र आग पर काबू पाया गया।

दिनांक 18.11.2018 को अपराह्न लगभग 12:30 बजे तहसील बड़कोट क्षेत्रान्तर्गत नौगांव–डामटा–विकासनगर मोटर मार्ग पर बड़कोट से विकासनगर की और जा रही निजी बस संख्या– यू0के0–07 पी0ए0–1127, स्थान डामटा के पास दुर्घटनाग्रस्त हुआ। जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा सम्बन्धितों को शीघ्र सूचित किया गया। घटना में 14 मृतकों के शवों खाई से निकाल कर पोस्टमार्टम कर परिजनों को सुपुर्द किये गये। 14 घायलों को रेस्क्यू कर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, डामटा में पहुॅचाया गया है। उक्त दुर्घटना में 06 गम्भीर घायलों को हैलीकॉप्टर के माध्यम से जौलीग्राट देहरादून/एम्स ऋषिकेष पहूॅचाया गया है एवं 08 घायलों को एम्बूलेंस के माध्यम से हॉयर सेन्टर देहरादून में पहूॅचाया गया है। 14 मृतको के शवों को पोस्टमार्डम के लिए सी0एच0सी डामटा में लाया गया। उक्त टीमों द्वारा दिनांक–19.11.2018 को पुनः प्रातः 08:00 बजे से साय तक खोजबीन का कार्यवाही की गयी।

कार्यवाहीः–

1– जिलाधिकारी महोदय, उप जिलाधिकारी बड़कोट, थानाध्यक्ष पुरोला, चिकित्साधिकारी मौके पर मौजूद रहें।

2– पुलिस/अग्निशमन विभाग, एस0डी0आर0एफ0 टीम/राजस्व दल डामटा, आई0टी0बी0पी0 मसूरी आदि द्वारा खोज–बचाव किया गया।

3– जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा जनपद से 04 एम्बुलेंस मौके पर भेजी गयी तथा देहरादून एवं टिहरी से सर्म्पक कर अतिरिक्त एम्बुलेंस की व्यवस्था की गयी।

4. घायलो को हायर सेटर पहुॅचान हेतु हैलीकॉप्टर उपलब्ध कराये जाने हेतु शासन एवं सम्बन्धितों से समन्वय किया गया।

5– शवों हेतु बाडी बैंग, ट्रक तथा अतिरिक्त खोज–बचाव उपकरण भेजें गये है।

4– प्रर्याप्त प्रकाश उपकरण तथा जिला मुख्यालय से अतिरिक्त रेस्क्यू टीम मौके पर भेजी गयी।

सड़क दुर्घटना के फोटोग्राफ्स

घायलों को हैलीकॉप्टर से हॉयर सेटर रवाना किया गया के फोटोग्राफ्स –

जिलाधिकारी माहेदय द्वारा जनपद आपताकालीन परिचालन केन्द्र में आपात बैठक आहूत कर सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्य दिश निर्देश निर्गत करते हुये घटना स्थल हेतु रवाना हुये एवं घायलों को उचार के दौरान चिकित्सालय को दौरा किया गया।

दिनांक 19.11.2018 को प्रातः लगभग 9:30 बजे तहसील बड़कोट क्षेत्रान्तर्गत नौगांव–पूरोला मोटर मार्ग पर पुरोला से नौगांव की और जा रही निजी सैन्ट्रो कार संख्या– यू0के0–07 ए0एल–1436, स्थान मंजेली के पास दुर्घटनाग्रस्त होकर कमल नदी में गिरी । उक्त वाहन में कुल तीन लोग सवार थे, जिसमें 01 महिला एवं 01 पुरूष की घटना स्थल पर तथा एक की उपचार के दौरान मृत्यु हुयी है।

कार्यवाहीः–

1– उप जिलाधिकारी बडाकोट, पुलिस टीम पुरोला/बडकोट/नौगांव/ एस0डी0आर0एफ0 बडकोट/अग्निशमन टीम, बडकोट/राजस्व टीम पुरोल/बडकोट द्वारा तत्काल आवश्यक कार्यवाही की गयी।

2– स्वास्थ्य केन्द्र, नौगांव से मेडिकल टीम एवं 108 सेवा बडकोट तथा पुरोला से एम्बुलेंस घटना स्थल पर भेजी गयी।

दिनांक 22.11.2018 को दोपहर 3:00 बजे खरसाली मोटर मार्ग पर खरसाली से फूलचट्टी आ रही एक यूटिलिटी वाहन सं0 यू0के0 07 सी0ए0 5116 वाहन चालक श्री पंकज द्वारा वाहन को मोडते समय वाहन रोड पर पलटने से बंसी लाल के पेर में चोट लगी आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा 108 एम्बुलेंस, पुलिस, राजस्व निरीक्षक को सूचना से अवगत कराया गया। उक्त व्यक्ति को सी0एच0सी0 बडकोट लाते समय रास्ते में मृत्यु हो गयी। पुलिस द्वारा पंचनामा पोस्टमार्डम की कार्यवाही कर शव परिजानों का सुपुर्द किया गया।

दिनांक 27.11.2018 को उत्तरकाशी से चिन्यालीसौड जा रही मैक्स वाहन धनपुर नागणी चिन्यालीसौड के पास ट्रक और मैक्स वाहन आपस में टक्कर हुयी। दुर्घनाग्रस्त मैक्स में सवार चालक सहित कुल 06 लोग घायल हुये। घटना की सूचना प्राप्त हेते ही जनपद आपातकालीन परिचालन केन्द्र द्वारा 108, तहसीलदार को सूचना से अवगत कराया गया घटना मे 03 घायलो को देहरादून रेफर किया गया 03 को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय में लाया गया। ।

आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन द्वारा राज्य के 13 जनपदों का आपातकालीन परिचालन केन्द्र, देहरादून में Real Time Data Feed Tatkaal किये जाने हेतु MIS सॉफ्वेयर विकसित किया गया है। उक्त सॉफ्वेयर में जनपद का सांकलित किया जा रहा है।

राष्ट्रीय भूभैतिकीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद द्वारा अवगत कराया गया है कि राज्य भूकम्प के प्रति अत्यन्त संवेदनशील है और इस क्षेत्र में भूकम्पीय गतिविधियों के विस्तृत अध्ययन/अनुसंधान कार्यो हेतु जनपद अन्तर्गत निम्न स्थानों पर भूकम्म मापी यंत्रों की स्थापना किया जाना प्रस्तावित है।

क्र.सं.	भूकम्प मांपी यंत्र की स्थापन हेतु चिन्हत स्थान
1	मनेरी प्रथम भॉली परियोजना, मनेरी परिसर।
2	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, भटवाडी परिसर।
3	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, डुण्डा परिसर।
4	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, चिन्यालीसौड़ परिसर।
5	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बड़कोट परिसर।
6	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, नौगांव परिसर।
7	सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, पुरोला परिसर।
8	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, मोरी परिसर।
9	विद्यालय परिसर, राजकीय इण्टर कॉलेज, नेटवाड़।

जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा प्रज्ञा संस्था के सहायोग से Ecosystem conservation and Disaster risk Reduction in the Himalya सम्बन्धी एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 03.11.2018 को सांय 4:00 बजे जिला कार्यालय सभागार कक्ष में जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में किया किया गया । जिसमें जनपद स्तरीय अधिकारियों द्वारा प्रतिभाग किया गया।

जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा जनपद अन्तर्गत समय-समय पर विभिन्न स्थानों पर वाहनों में क्षमता से अधिक भार/सवारी ले जाने (ओवर लोड़िंग) एवं नशे की हालत में वाहन चलाने सहित अन्य लापरवाही व तीव्रता के कारण दुर्घटनाये घटित होने के दृष्टिगत सम्बन्धित विभागों को सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु पर्याप्त उपात तथा निरन्तर निगरानी/ चैकिंग हेतु समय-समय पर निर्देशित गया गया है।

जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण द्वारा यात्रा/मानसून काल में जनपद के विभिन्न 07 स्थानों पर एस0डी0आर0एफ0 के दलों की तैनाती की गयी थी। वर्तमान समय में यात्राकाल समाप्त होने के फलस्वरूप जिला मुख्याल पर ही एस0डी0आर0एफ0 का मुख्यालय है। तहसील, बडकोट, पुरोला एवं मोरी जनपद मुख्यालय के दूरस्थ तहसील (क्षेत्र) होने के कारण आपदा/सड़क दुर्घटना घटित होने पर जिला मुख्यालय से उक्त स्थान पर टीम को पहुॅचने में लगभग 4-5 घण्टे का समय लगता है, जिससे की खोज-बचाव कार्य में विलम्ब होना स्वभाविक है। उक्त क्षेत्र में वर्षा/बफवारी के कारण समय-समय पर सड़क दुर्घटनायें एवं अग्निकाण्ड आदि की घटनाये घटित होती रहती है। जनपद की भौगोलिक परिस्थतियों तथा प्राकृतिक आपदाओं/दुर्घटनाओं की संवेदनशीलता को दृष्टिगत तहसील बडकोट (यमुनाघाटी) में एस0डी0आर0एफ0 की एक सब टीम स्थायी रूप से तैनात सम्बन्धितों से समन्वय किया गया है।

<u>जिलाधिकारी महोदय के तहसील मोरी के दूरस्थ ग्रामों में भ्रमण के दौरान जनपद की दूरस्थ</u> तहसील मोरी/पुरोला के अन्तर्गत विभिन्न ग्रामों में भीषण आगजनी की घटनायें घटित होती रहती हैं। जिस कारण प्रभावित ग्राम वासियों के भवन, पशु हानि सहित खाद्यान्न/बर्तन आदि को क्षति पहुॅचती है। अग्निकाण्ड की घटना का मुख्य कारण परम्परागत लकड़ी के भवन निर्मित होना एवं शीतकाल में भवनों में पशुओं के चारा का भण्डारण किया जाना तथा मानवीय त्रुटि का होना पाया गया है।

दिनांक 14.11.2018 को जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण की बैठक में मोरी/पुरोला क्षेत्र में घरेलू आग की घटनाओं के रोक-थाम हेतु अग्निशमन उपकरणों का क्रय 14वें वित्त आयोग के बजट से कर ग्राम पंचायतों को उपलब्ध कराने तथा ग्राम वासियों को अग्निशमन विभाग एवं एस0डी0आर0एफ0 के द्वारा प्रशिक्षित/जागरूक किये जाने का निर्णय लिया गया है।

जनपद के तहसील मोरी व पुरोला के दूरस्थ ग्रामों में अग्निकाण्ड की घटनाओं के रोक-थाम हेतु अग्निशमन विभाग द्वारा सुझाये गये ए0बी0सी0 06 किलोग्राम क्षमता के अग्निशमन यंत्रों को 14वें वित्त आयोग के बजट से ग्राम वार उपलब्ध कराया जा रहा है।

साथ ही ग्राम वासियों को घरेलू आगजानी की धटनाओं के रोकथाम हेतु प्रशिक्षित किया गया है। ग्रामवासियो को घास/लकडी आवासीय घरों से दूर रखे जाने की प्रतिज्ञा दिलवाई गयी है तथा स्वयं के संसाधनों से भी अपने भवनों की सुरक्षा हेतु अग्निशमन उपकरण क्रय किये जाने हेतु प्रोत्साहित किया गया है।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा ग्राम ओसल में आयोजित कार्यक्रम में ग्राम पंचायत को 03 ए0बी0सी0 06 किलोग्राम के अग्निशमन उपकरण उपलब्ध कराये गये।

<u>दिनांक 03.11.2018 को जनपद आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण की बैठक में गंगोत्री धाम में कपाट</u> बंद होने के उपरान्त शीतकाल में भी कतिपय कर्मचारियों/स्थानीय लोगों एवं शीतकाल में दुर्घटना घटित होने के दृष्टिगत मोबाईल नेटर्वक संचालित किये जाने का निर्णय लिया गया । उक्त के सम्बन्ध में उप मण्डलीय अभियन्ता, बी0एस0एल0एल0, उत्तरकाशी को निर्देशित करते हुये गंगोत्री में शीतकाल मे मोबाईल टावर की देखरेख हेतु गंगोत्री में तैनात पुलिस व आदि विभाग के कार्मिकों से ही टॉवर की सुरक्षा व देखरेख किये जाने हेतु निर्देशित किया गया है।

<u>राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण के सहयोग से जनपद में संचालित कार्यक्रम Sustainable</u> Reduction in Disaster Risk परियोजना अन्तर्गत मार्गदर्शिका के गतिविधि के अनुसार ग्रामों में गठित आपदा प्रबन्धन टीमों को प्रशिक्षित किये जाने हेतु 02 दिवसीय आपदा प्रबन्धन सम्बन्धी प्रशिक्षण एवं मॉक अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन विकास खण्डवार 600 ग्राम पंचायतों में किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त समय–समय पर अन्य बैठकों में प्रतिभाग करते हुये उच्चाधिकारियो द्वारा समय–समय पर दिये गये निर्देशों का अनुपालन भी सुनिश्चित किया गया है।

(देवेन्द्र सिंह पटवाल)
आपदा प्रबन्धन अधिकारी,
उत्तरकाशी।

<u>प्रतिलिपिः–</u> निम्नाकिंतों की सेवा में सादर सूचनार्थ प्रेषित।

1. अपर सचिव, आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विभाग, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून।
2. अधिशासी निदेशक, आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र, सचिवालय, देहरादून।
3. राज्य समन्वयक, एस0आर0डी0आर0 परियोजना, आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबन्धन केन्द्र, सचिवालय, देहरादून।

आपदा प्रबन्धन अधिकारी,
उत्तरकाशी।